RNI No. : DELBIL/2005/15122 D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21

# विद्याभारती संकुल संवाद

मासिक पत्रिका

E-mail : vbsankulsamvad@gmail.com

वर्ष-15 | अंक 11 | अक्टूबर 2019 | विक्रमी सं. 2076 | मूल्य : एक रुपया

## 32वाँ राष्ट्रीय खेलकूद बॉलीवॉल प्रतियोगिता सम्पन्न

पूज्य तपस्वी जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर, हसनपुर, राजगीर, जिला नालंदा (बिहार) के परिसर में विद्या भारती का 32वाँ राष्ट्रीय खेलकूद बॉलीवॉल प्रतियोगिता 2019 (दिनांक 12 से 16 अक्टूबर) सम्पन्न हुआ। खेल समारोह के उद्‌धाटन के दिन मान. यतीन्द्र जी शर्मा (राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री) का सान्निध्य मिला। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि 'पढ़ोगे-लिखोगे बनोगे नबाव, खेलोगे कूदोगे तो होओगे खड़ाब' यह कहावत आज बिल्कुल ही निराधार हो गई है। माता-पिता आज जान गए हैं कि बच्चों के मानसिक विकास के साथ-साथ शारीरिक विकास भी होना आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि खेल व्यायाम, शारीरिक विकास करते हैं तथा शिक्षा, चिंतन-मनन से व्यक्ति का मानसिक विकास करता है।

समापन समारोह का उद्‌घाटन जैन मुनि संत श्री सोहन मुनि जी महाराज, अनुमंडलाधिकारी श्री संजय कुमार एवं श्री कृपाशंकर शर्मा (रा. खेल सह संयोजक) ने माँ शारदा को दीप प्रज्वलन कर किया।

देश के विभिन्न राज्यों से आए हुए प्रतिभागी भैया-बहन, आचार्य-दीदी जी एवं आगंतुक अतिथियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री संजय कुमार ने कहा कि राजगीर में आपने अपने शौर्य एवं साहस का प्रदर्शन किया है। कमजोर से कमजोर व्यक्ति भी विजेता खिलाड़ी बनने का सौभाग्य प्राप्त कर सकता है क्योंकि वह लगातार अभ्यास करता रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आप सभी पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद कर हमेशा विजेता बनने का भाव मन में रखें। सचिन तेंदुलकर, पी.टी. उषा, पी.वी. संधु, विराट कोहली आदि जिन्होंने देश का नाम रौशन कर संपूर्ण दुनियाँ में तिरंगा लहराया। अगर आप में भी विश्वास है तो आप भी तिरंगा लहरा सकते हैं।

खेल समारोह में सम्पूर्ण देश के करीब 300 भैया, 200 बहनें, 55 आचार्य/आचार्या, 20 निर्णायक एवं 250 व्यक्ति व्यवस्था में लगे लोग उपस्थित रहे। सभी विजेता खिलाड़ियों को अनुमंडलाधिकारी श्री संजय कुमार, जैन मुनि आचार्य श्री सोहन जी महाराज, श्री कृपाशंकर जी शर्मा, मोतीलाल अग्रवाल, ब्रह्मदेव प्रसाद, जागृत भानू प्रकाश एवं अमरेश कुमार ने पुरस्कृत किया।

अब ये सभी विजेता खिलाड़ी स्पोर्ट्स गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया में भाग लेंगे।

## राष्ट्रीय वैदिक गणित बैठक

विद्या भारती के एक आयाम वैदिक गणित की राष्ट्रीय बैठक दिनांक 28 एवं 29 जुलाई 2019 को केरल के त्रिसूर जिले के भारतीय विद्या विहार विद्यालय में हुई। बैठक में विगत कार्य की समीक्षा एवं आगामी योजनाओं पर विचार-विमर्श हुआ। वैदिक गणित विषय पर कार्य करने वाले क्षेत्र के प्रमुखों ने अपने-अपने क्षेत्र का वृत्त प्रस्तुत किया।

कार्यकर्ताओं ने यह सुझाव दिया कि चूँकि 1995 में ओड़िसा में आयोजित साधारण सभा में ही सर्वप्रथम यह निर्णय लिया गया था कि विद्या भारती के पाठ्यक्रम में वैदिक गणित भी शामिल किया जाए, जिसे अब 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं तथा वैदिक गणित के प्रणेता पूज्य शंकराचार्य भारती तीर्थ जी भी गोवर्धन पीठ पूरी के ही शंकराचार्य थे। अत: वैदिक गणित की आगामी कार्यशाला जगन्नाथपुरी ओड़िसा में ही की जाए।

श्री एन.सी.टी. राजगोपाल जी के मार्गदर्शन में भारत के महान गणितज्ञ स्व. श्री माधव जी का जन्म स्थान देखने का सौभाग्य सभी प्रतिभागियों को प्राप्त हुआ।

बैठक स्थल पर कक्षा 6 से 10वीं तक के भैया बहिनों के लिए वैदिक गणित अध्यापन का एक सत्र प्रतिभागियों ने लिया। समापन सत्र में श्री एन.सी.टी. राजगोपाल जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। ज्ञातव्य हो कि हिमाचल की राज्य सरकार ने वैदिक गणित को कक्षा 6 से 10वीं तक अपने पाठ्यक्रम में शामिल करने का निर्णय लिया है। इसके लिए विद्या भारती के क्षेत्रीय वैदिक गणित प्रमुख श्री गोपाल शर्मा एवं प्रांतीय वैदिक गणित प्रमुख श्री नवीन जी को पाठ्यक्रम लेखन एवं प्रशिक्षण की जिम्मेदारी दी गई है।

# 32वाँ राष्ट्रीय खेल-कूद योगासन, जिमनास्टिक समारोह सम्पन्न

विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश द्वारा 32वें राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन (दिनांक 03 से 05 अक्टूबर 2019) के अवसर पर विद्या भारती के राष्ट्रीय मंत्री एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री शिवकुमार जी, मुख्य अतिथि सांसद फूलपुर श्रीमती केशरी देवी पटेल, मुख्य वक्ता श्री मान हेमचन्द्र जी, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री राम मनोहर जी मंचासीन रहे।

कार्यक्रम की प्रस्ताविकी विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश के संगठन मंत्री श्री हेमचन्द्र जी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती केशरीदेवी पटेल ने कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। आज के छात्र-छात्राएं ही भविष्य में राष्ट्र के कर्णधार बनेंगे, अत: उनका स्वस्थ होना आवश्यक है। इसके लिए पर्याप्त मात्रा में खेल और व्यायाम होना आवश्यक है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री शिवकुमार जी ने अपने संबोधन में कहा कि विद्या भारती के द्वारा न केवल संस्कारवान विशिष्ट शिक्षा दी जाती है बल्कि छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए खेल जगत में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उनके द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन के माध्यम से देश व प्रदेश का नाम रौशन हो रहा है।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री उपेन्द्र तिवारी ने कहा कि विद्या भारती के विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए खेल को सर्वोपरि स्थान दिया गया है।

कार्यक्रम की समापन की अध्यक्षता कर रहे नगर की महापौर ने अपने वक्तव्य में छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं प्रयाग की धरती की हूँ। यहाँ के सभी छात्र-छात्राओं के विकास के लिए मेरे सहयोग की जहाँ भी आवश्यकता होगी, मैं उसे पूर्ण करने का पूरा प्रयास करूंगी।

# अखिल भारतीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता सम्पन्न

सरस्वती शिशु मंदिर (सी.बी.एस.ई.) केदारधाम शिवपुरी, मध्य प्रदेश में अखिल भारतीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 03 अक्टूबर 2019 से शुरू हुआ। जिसमें देश के 09 क्षेत्रों की टीम ने भाग लिया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में मध्य क्षेत्र ने पश्चिमी उत्तरप्रदेश को 72-61 से पराजित किया।

मैच के समापन के अवसर पर एल.एन.आई.पी. के कुलपति श्री दिलीप दुरेहा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि हारने वाले खिलाड़ी को अपनी हार से निराश नहीं होना चाहिए बल्कि अपनी मेहनत पर विश्वास रखना चाहिए।

मुख्य अतिथि के रूप में पधारे कर्नल जोगेन्दर सिंह तंवर (कीर्ति चक्र विजेता) ने खिलाड़ियों से कहा कि आप देश का कल हैं। लिटिल एन्जेल स्कूल से आए डॉ. सुनील ओल्याई ने सरस्वती शिशु मन्दिर के बच्चों के अनुशासन की भूरी-भूरी प्रशंसा की। विद्याभारती के ग्वालियर विभाग समन्यवयक श्री अबधेश त्यागी ने बताया कि इस टूर्नामेंट में देश के 09 क्षेत्रों की टीमों ने सहभागिता की, जिसमें 232 खिलाड़ी तथा 80 निर्णायक, संरक्षक एवं कार्यकर्ता आयोजन को सफल बानने में संलग्न रहे।

उन्होंने बताया कि स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एस.जी.एफ.आई.) में विद्या भारती के छात्र-छात्राओं की एक बहुत बड़ी संख्या प्रतिवर्ष पहुंच रही है। यह हमारे लिए गौरव की बात है। सभी विजेता एवं उपविजेता टीमों को शील्ड एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया।

# शिशुओं में दक्षता क्रियाकलाप

समर्थ शिक्षा समिति के दिशा निर्देशन में संचालित सरस्वती शिशु मंदिर, सुभाष नगर (दिल्ली) में दिनांक 10 अक्टूबर 2019 को दक्षता दिवस मनाया गया जिसमें प्रधानाचार्या श्रीमती मोनिका भल्ला जी के निर्देशन में खिलौना निर्माण का कार्य हुआ। सभी बच्चों ने पूरा समय, पूरी तन्मयता से इस गतिविधि को मन में उतारा।

# समाचार संशोधन

गतांक में पृष्ठ 7 के अग्रेंजी समाचार में जनजाति शिक्षा समिति, नागालैंड के द्वारा एजुकेशनल किट वितरण करने का उल्लेख किया गया था। उक्त सामग्री सेवा इंटरनेशनल, दिल्ली के सौजन्य से प्राप्त हुआ था।

# विद्या भारती के वास्तविक कार्यों की जानकारी समाज को हो

– सुधाकर रेड्डी

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की दो दिवसीय प्रचार विभाग की कार्यशाला दिनांक 29 एवं 30 अगस्त 2019 को असम प्रकाशन भारती, गुवाहाटी में आयोजित हुई। कार्यशाला में असम, अरूणाचल प्रदेश, मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर से 38 कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। इस कार्यशाला में प्रांत प्रचार प्रमुख, प्रांत संवाददाता, प्रांतीय सोशल मीडिया प्रमुख व प्रांत प्रचार विभाग टोली के सदस्य सहभागी रहे।

विद्या भारती के अखिल भारतीय प्रचार-प्रसार संयोजक श्री सुधाकर रेड्डी ने प्रचार विभाग कार्यशाला की भूमिका रखी। उन्होंने बताया कि शिक्षा व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन की आवश्यकता है। शासकीय व अशासकीय विद्यालयों में मूल्य आधारित शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है। विद्या भारती के विद्यालयों में होने वाले विभिन्न प्रयोगों की जानकारी समाज को हो, इस हेतु प्रचार विभाग की आवश्यकता है। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के अध्यक्ष डॉ. जयकांत शर्मा ने उद्‌घाटन समारोह में कहा कि यह कार्यशाला कार्यकर्ताओं के विकास में सहायक सिद्ध हो सकती है। विद्या भारती की शिक्षा पद्धति को समाज में स्वीकृति प्राप्त हुई है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र के बौद्धिक प्रमुख (रा.स्वं.सघ.) श्री तीर्थंकरदास जी कलिता ने सोशल मीडिया के उपयोग व सावधानियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चित्र व शॉर्ट वीडियो के माध्यम से अपना संदेश प्रभावी रूप से भेजा जा सकता है।

श्री चंदन गोस्वामी, विभाग प्रमुख जन संचार एवं पत्रकारिता (गुवाहाटी विश्वविद्यालय) ने प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से संवाद स्थापित करने के बारे में जानकारी दी।

कार्यशाला में कार्यकर्ताओं को दो टोली में बाँट कर एक टोली को श्री परमेश्वर वड़पुजारी, क्षेत्र प्रचार प्रमुख के साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अनुभव के लिए दूरदर्शन केन्द्र व दूसरी टोली को श्री नितिन भगवती, क्षेत्रीय प्रचार टोली सदस्य के साथ प्रिंट मीडिया अनुभव के लिए दैनिक जन्मभूमि समाचार पत्र के कार्यालय भेजा गया।

श्री पी.के. गोस्वामी, दूरदर्शन केन्द्र गुवाहाटी के उप निदेशक (ई.) ने कार्यशाला में पैनल चर्चा के प्रायोगिक सत्र में दूरदर्शन के बारे में बताया। श्री कृष्ण कुमार वर्मा, संवाददाता सुदर्शन न्यूज ने 'मातृभाषा में शिक्षा' विषय पर दो समूहों में चर्चा का संचालन किया।

कार्यशाला के समापन सत्र में श्री ब्रह्माजी राव (राष्ट्रीय मंत्री विद्या भारती) ने कहा कि जिस प्रकार का कार्य विद्या भारती कर रही है, उसका समाज में प्रचार होना आवश्यक है। उन्होंने मीडिया से संबंध व संपर्क के बारे में कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

# जिला प्रमुख, जिला समन्वयक एवं संकुल प्रमुखों की बैठक

विद्या भारती पश्चिमी उत्तरप्रदेश के मेरठ प्रांत के जिला प्रमुखों, समन्वयक एवं संकुल प्रमुखों की बैठक 20 से 22 सितंबर 2019 तक बालेराम ब्रजभूषण सरस्वती शिशु मंदिर, शास्त्रीनगर मेरठ में सम्पन्न हुई।

प्रथम सत्र में प्रदेश निरीक्षक श्री कमल कुमार ने बैठक की प्रस्ताविकी रखते हुए पूर्व योजनाओं का स्मरण कराते हुए जिला समन्वयकों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की। दूसरे सत्र में प्रदेश निरीक्षक श्री महेशचन्द्र शर्मा ने प्रांत के विद्यालयों के गत 03 वर्षो में छात्र संख्या में हुई वृद्धि एवं कमी के आंकड़े प्रस्तुत किए।

प्रांत संगठन मंत्री श्री तपन कुमार जी ने विद्या भारती के चार आयामों के सम्बन्ध में चर्चा की। उन्होंने प्रचार विभाग व आर्थिक विषयों के सम्बन्ध में भी मार्गदर्शन किया।

दूसरे दिन प्रथम सत्र में श्री जे.एम. काशीपति जी ने जिला समन्वयकों से आग्रह किया कि जिला केंद्र सशक्तिकरण के पाँचों बिन्दुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है। जिला टोली का गठन ठीक प्रकार से किया जाए एवं जिला टोली का प्रवास व्यवस्थित किया जाए। सेवा व संस्कार के कार्य में और गति लाई जा सके। जिला व संकुल की योजना बनाने के साथ-साथ परीक्षा, पत्रिका व अन्य प्रशासनिक विषयों पर भी चर्चा की गई।

# शिक्षा के क्षेत्र में गांधी जी के विचार आज भी प्रासांगिक

– अवनीश भटनागर

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र नई दिल्ली एवं विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में 451वीं अनुस्थापन पाठ्यक्रम कार्यशाला दिनांक 02 अक्टूबर 2019 को स्व. महात्मा गांधी के जयंती के अवसर पर आयोजित की गई।

इस अवसर पर मुख्यातिथि संस्कृति शिक्षा संस्थान के सचिव श्री अवनीश भटनागर ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि देश में एकात्मता का जागरण करने में जिनका महत्त्वपूर्ण योगदान रहा, उनमें से एक नाम महात्मा गांधी जी का भी है। महात्मा गांधी ने शिक्षा के क्षेत्र में एक वैकल्पिक मॉडल का सूत्रपात किया, जिसे बुनियादी शिक्षा के नाम से जाना जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में आज भी इन विचारों का महत्त्व ज्यों का त्यों बना हुआ है। उनको स्वीकार करने के लिए अलग शब्दों का चुनाव भले ही कर लिया गया हो, मगर उनकी मूल आत्मा वही है।

श्री भटनागर ने आगे कहा कि विद्या भारती 67 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में प्रयोग कर रही है। संस्कृति और शिक्षा अलग-अलग पक्ष नहीं है। बिना संस्कृति के शिक्षा का कार्य पूरा नहीं हो सकता। देश के इस मनोभाव से नई पीढ़ी को अवगत कराना शिक्षा का बड़ा काम है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन द्वारा बताए गए तीन कार्यों का उल्लेख किया जिनमें नई पीढ़ी को प्राचीन ज्ञान का हस्तांतरण करना, नवीन ज्ञान का सृजन करना, नई पीढ़ी को जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना शामिल है।

कार्यशाला में डाक विभाग द्वारा जारी किए गए संस्कृति शिक्षा संस्थान के डाक टिकट और अवनीश भटनागर जी के प्रति जारी किए गए चित्रयुक्त टिकट रूपी स्मृति चिन्ह को उन्हें भेंट किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्रीराम आरावकर, सह सचिव श्री वासुदेव प्रजापति, संस्कृति ज्ञान परीक्षा के संयोजक श्री दुर्गसिंह राजपुरोहित उपस्थित रहे।

# 451वीं अनुस्थापन पाठ्यक्रम कार्यशाला का आयोजन

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान एवं सांस्कृतिक स्रोत व प्रशिक्षण केन्द्र (सी.सी.आर.टी.) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक-प्रशिक्षकों के लिए 451वीं अनुस्थापन पाठ्यक्रम कार्यशाला का आयोजन दिनांक 24 सितम्बर से 05 अक्टूबर 2019 तक संस्कृति भवन, कुरुक्षेत्र में आयोजित हुई। संस्थान के निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह ने बताया कि इस कार्यशाला में संपूर्ण भारत वर्ष के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण केन्द्रों (डाइट) में सेवारत शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस कार्यशाला के आयोजन का मुख्य उद्देश्य भाषा, गणित, विज्ञान जैसे विषयों को पढ़ाने वाले शिक्षक भारत की सांस्कृतिक विरासत का ज्ञान अपने विद्यार्थियों को कैसे दे सकेंगे, इसके लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यशाला में भारत का सांस्कृतिक इतिहास, शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, राजभाषा नीति और उसकी संवैधानिक स्थिति, गांधी जी का शिक्षा दर्शन, भारतीय क्राफ्ट, अभिनय, संगीत, नृत्य की परंपराओं का ज्ञान भी कराया गया। भारत की भावी पीढ़ी को शिक्षा के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत एवं धरोहरों की जानकारी पहुँचाने की दिशा में यह कदम अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

# प्रांतीय विज्ञान मेला का आयोजन

विद्या भारती के जोधपुर प्रान्त एवं सरस्वती शिक्षा समिति, पाली द्वारा आयोजित सरस्वती विद्या मन्दिर में प्रान्त स्तरीय विज्ञान मेले के समापन दिवस दिनांक 12 अक्टूबर 2019 को मेले के अवलोकन हेतु छात्रों एवं अध्यापकों की भीड़ उमड़ पड़ी। मेला संयोजक श्री किशनाराम बिश्नोई ने बताया कि मेले के समापन के दिन प्रातः से ही नगर के अलग-अलग विद्यालयों के छात्र-छात्रओं ने विज्ञान मेले का अवलोकन किया और विभिन्न प्रकार के मॉडल देखकर आश्चर्यचकित हुए कि इतने कम समय एवं कम लागत में भैया बहनों ने उत्कृष्ट मॉडल प्रदर्शित किए।

मेले के समापन अवसर पर अपने उद्बोधन में सुश्री सुमन पुरोहित (विश्व हिन्दू परिषद्) ने बाल वैज्ञानिकों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए बताया कि यही बालक आगे चलकर आर्यभट्ट, सुश्रुत, कण्णाद जैसे वैज्ञानिक बन कर राष्ट्र की उन्नति में अपना योगदान दे सकते हैं।

प्रान्त निरीक्षक गंगा विष्णु बिश्नोई ने इस मेले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले भैया-बहनों को बधाई देते हुए क्षेत्र स्तर पर आयोजित होने वाले विज्ञान मेले में जोधपुर प्रान्त का श्रेष्ठ प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी तथा स्मृति चिह्न प्रदान कर पुरस्कृत किया।

# सरस्वती शिक्षा केन्द्र व महिलाओं के सामूहिक प्रयास से नशामुक्त बना गाँव-तराईमार

कोरबा जिला का करतला विकासखंड का ग्राम तराईमार जिसकी जनसंख्या 850 है। यह गाँव आजकल नशामुक्ति को लेकर चर्चा में है। कारण यहाँ की महिलाओं के प्रयास एवं वनांचल शिक्षा सेवा न्यास, छत्तीसगढ़ के अंतर्गत चलने वाले सरस्वती शिक्षा केन्द्र के प्रयास से अब यह गाँव नशामुक्त हो गया है। अब यहाँ के लोग न तो शराब बनाते हैं और न ही पीते हैं। यह हालात महिलाओं के लगातार तीन माह के प्रयास से ही संभव हुआ है। शराबबंदी करने व गाँव को नशा मुक्त बनाने को लेकर गाँव की महिलाओं से उनके प्रयास के बारे में जाना।

महिलाओं ने बताया कि इसकी शुरुआत अपने घर के लोगों से ही शराबबंदी करवा कर शुरु की थी। इस प्रयास में घर ही नहीं बाहर भी विवाद की स्थिति बनी। यहाँ तक कि मामला थाने तक पहुंचा। लेकिन महिलाओं ने हार नहीं मानी। इसलिए अब गाँव के लोग शराब नहीं पीते हैं। धीरे-धीरे गाँव के बुजुर्ग व युवाओं में भी बदलाव आया। महिलाओं ने बताया कि उनके पति शराब पीकर घर पहुँचते थे तो हम उन्हें खाना नहीं देते थे।

**पड़ोसी गाँव में भी शराबबंदी का प्रयास**- गाँव की महिलाओं ने बताया कि पढ़ाई छोड़ने के बाद बच्चे शराब पीना सीख रहे थे। साथ ही वे काम करने जाते तो कमाई का आधा हिस्सा शराब में ही खर्च देते थे। इससे घर में जरूरत पड़ने पर रुपये के लिए परेशान होना पड़ता था। इसी वजह से ही सभी ने मिलकर गाँव में शराबबंदी के लिए प्रयास किया। अब शराबबंदी के बाद कोई भी नशे की हालत में घर आने से डरता है, क्योंकि निगरानी करने वाली महिलाओं की टीम सक्रिय काम कर रही है।

गाँव को नशामुक्त कराने में महिलाओं के सामने काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हर कठिनाई का डटकर सामना करते हुए गाँव को नशामुक्त कराने में सफलता प्राप्त की।

# रामायण महोत्सव का आयोजन

विद्या भारती की प्रांतीय ईकाई हिन्दू शिक्षा समिति न्यास के अंतर्गत गीता बाल भारती विद्यालय के परिसर में दिनांक 05 अक्टूबर से 06 अक्टूबर 2019 तक विद्यालय के प्रतिभावान विद्यार्थियों द्वारा रामायण महोत्सव मनाया गया। इसके लिए रामायण और रामचरित मानस का गुरुजनों के साथ गहन अध्ययन किया गया। भगवान श्रीराम के चरित्र पर आधारित संगीतमय रामायण महाकाव्य का तीन घंटे में उत्तम अभिनय कौशल के साथ अद्भुत मंचन किया गया। इसमें 80 विद्यार्थियों ने एक साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन श्रीराम जन्म से लेकर रावणवध, राम राज्याभिषेक तक किया।

महोत्सव में बाल काण्ड, अयोध्या काण्ड, अरण्य काण्ड, किष्किंधा काण्ड, सुन्दर काण्ड, लंका काण्ड की प्रस्तुति अति मनमोहक रूप से की गई।

# भीनमाल में हुआ भव्य मातृ-शक्ति सम्मेलन

आदर्श विद्या मंदिर बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में मातृशक्ति सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन के मुख्य अतिथि श्रीमती किरण, अध्यक्ष श्रीमती नितेश व्याख्याता जी.के. गोवाणी महाविद्यालय भीनमाल, विशिष्ट अतिथि श्रीमती गायत्री सोनी आदर्श गृहिणी एवं मुख्य वक्ता श्री रूद्रकुमार ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष श्रीमती नितेश ने माँ की महत्ता को सामने रखते हुए कहा कि परिवार को संस्कारित करने में माँ की अहम भूमिका होती है। माँ ही बालक की प्रथम गुरु होती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भूमिका किसी भी परिवार को बनाने या बिगाड़ने में अहम होती है। महिलाओं को प्रतिज्ञा लेनी चाहिए कि राष्ट्रहित के लिए परिवारों में सकारात्मक संस्कार देने का कार्य करें, जिससे कि परिवार की नींव मजबूत हो सके। इसके लिए मातृशक्ति को प्रयास करना चाहिए।

मुख्य अतिथि श्रीमती किरण ने कहा कि बालक को संस्कारवान बनाने में माता की अहम योगदान होता है। बालक को संयुक्त परिवार में रखने का प्रयास करना चाहिए। बालक का भविष्य माँ के हाथ में होता है।

मुख्य वक्ता एवं प्रांतीय संस्कार केन्द्र प्रमुख श्री रूद्रकुमार ने माताओं से आग्रह किया कि अपने-अपने बालक को राष्ट्रभक्ति के उदाहरण देकर देश के प्रति जागरुक करना चाहिए। क्योंकि माता का सीख दुनियाँ की सबसे बड़ी सीख मानी गई है। माता और पुत्र का सम्बन्ध समाज का सबसे पवित्र सम्बन्ध होता है।

विशिष्ट अतिथि श्रीमती गायत्री सोनी ने परिवार में बालक के पालन-पोषण के बारे में बताया। प्रधानाचार्य श्री नरेन्द्र आचार्य के अनुसार सम्मेलन में 600 से अधिक माताएँ उपस्थित हुई।

# खेल समरसता का भाव पैदा करता है

'खेल समरसता का भाव पैदा करता है। यह आनंद और स्फूर्ति तो प्रदान करता ही है साथ ही विपरीत परिस्थितियों में चुनौतियों का सामना करना सीखाता है। यह शरीर को निरोग भी बनाता है।' उक्त बातें वरिष्ठ माध्यमिक सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर में 32वाँ क्षेत्रीय खेलकूद (एथलेटिक्स) समारोह 2019 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए दिनांक 29 सितंबर 2019 को विद्या भारती उत्तर-पूर्व क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री ख्यालीराम जी ने कही। इस क्षेत्रीय खेलकूद समारोह का प्रारंभ श्री ख्याली राम जी ने ध्वजारोहण एवं ज्योति प्रज्वलन कर किया।

विद्या भारती उत्तर-पूर्व क्षेत्र के सचिव श्री दिलीप झा ने कहा कि खेल के माध्यम से जीवन में अनुशासन और व्यवस्थितता आती है। खेल चरित्र निर्माण का साधन है।

समारोह गीत गायन 'तन मन धन जीवन अर्पण कर, भारत श्रेष्ठ बनाएँगे' भैया-बहनों ने गाया। समारोह में डांडिया नृत्य, योगासन की प्रस्तुति, साथ ही संस्कृत गीत पर भाव नृत्य 'जहाँ डाल-डाल पर सोने की चिड़ियाँ करती है बसेरा, वह भारत देश है मेरा' तथा डांडिया योग की प्रस्तुति किया गया। डम्बल योग की प्रस्तुति, पर्यावरण पर नृत्य नाटिका की प्रस्तुति की गई। सभी ने भैया-बहनों के द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम को करतल ध्वनि से सराहा।

भारती शिक्षा समिति के प्रदेश सचिव गोपेशकुमार घोष ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए सफलता की शुभकामना दी। ज्ञातव्य हो कि इस प्रतियोगिता में लगभग 200 प्रतिभागी भाग लिया।

इस अवसर पर सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर के विशिष्ट खिलाड़ी पूजा कुमारी, अंशुमान कुमार एवं यशराज को सम्मानित किया गया, जिन्होंने राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मैडल प्राप्त किया है।

आभार ज्ञापन लोक शिक्षा समिति, बिहार के प्रदेश सचिव श्री नकुल कुमार शर्मा ने किया।

# बालिका के नैसर्गिक गुणों का विकास करना आवश्यक : रेखा चुड़ासमा

'बालिका के नैसर्गिक गुणों का विकास आवश्यक है। इस विकास के लिए विभिन्न उपक्रम विद्यालय व समाज में चलने चाहिए।' उक्त कथन सुश्री रेखा चुड़ासमा (अ.भा. बालिका शिक्षा संयोजिका) ने विद्या भारती हरियाणा द्वारा आयोजित प्रांतीय कन्या भारती पदाधिकारी कार्यशाला (26 से 28 जुलाई 2019) शिक्षा भारती विद्यालय, रामनगर, रोहतक में कही। इस कार्यशाला में राष्ट्र निर्माण में नारी की भूमिका, सांस्कृतिक परम्परा एवं आधुनिकता में समन्वय, नौकरी और पारिवारिक दायित्वों का ताल-मेल, महिला की जीवन शैली में विज्ञान का महत्त्व, दायित्व बोध आदि विषयों पर विचार-विमर्श एवं मार्गदर्शन हुआ। बालिकाओं को योग, आत्म सुरक्षा, शारीरिक अभ्यास आदि विषयों पर कार्यशाला में अभ्यास कराया गया। कार्यशाला में पूरे प्रांत से 18 विद्यालयों से 94 बालिकाएं एवं 19 आचार्य दीदियों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला में श्रीमती कुसुम जी (बालिका शिक्षा प्रमुख) एवं श्रीमती निर्मल पोपली जी (सह बालिका प्रमुख, उत्तर क्षेत्र) एवं श्रीमती सरोज सैनी जी (हरियाणा प्रांत प्रभारी) विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

# प्रांतीय प्रबंध समिति एवं प्रधानाचार्य प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

विद्या भारती चित्तौड़ प्रांत का प्रबंध समिति सम्मेलन एवं प्रधानाचार्य सम्मेलन दो स्थानों पर सम्पन्न हुआ। दिनांक 29 अगस्त 2019 से 01 सितम्बर 2019 तक स्वामी विवेकानन्द विद्या निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय महावीर नगर 03 में अजमेर, भीलवाड़ा, कोटा, बूंदी, बारां एवं झालावाड़ जिले का प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न हुआ जिसमें प्रबन्ध समिति के 143 सदस्य तथा 103 प्रधानाचार्य कुल 246 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

दिनांक 05 सितम्बर से 08 सितम्बर 2019 तक विद्या निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय गोकुलपुरा, डुंगरपुर में उदयपुर, राजसमन्द, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़ एवं प्रतापगढ़ जिले का प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न हुआ। जिसमें प्रबंध समिति के 136 सदस्य तथा 108 प्रधानाचार्य इस प्रकार कुल 244 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण वर्ग में विद्या भारती का वैचारिक अधिष्ठान, परिवार प्रबोधन, शैक्षिक नेतृत्व, विद्यालय व्यवस्था को प्रभावी कैसे बनाया जाये, विद्यालय सामाजिक चेतना का केन्द्र, आदर्श विद्यालय शिशुवाटिका एवं आधारभूत विषयों पर कार्यशाला, समाज प्रबोधन में हमारी भूमिका, समन्वय, सम्पर्क, सेवा, प्रचार आदि विषयों पर श्री अवनीश भटनागर (रा. मंत्री), श्री भरतराम जी (क्षेत्रीय अध्यक्ष), श्री शिवप्रसाद जी (क्षेत्रीय संगठन मंत्री), श्री नारायण लाल जी गुप्ता (शिक्षाविद्) सहित चित्तौड़ प्रांत के सभी पदाधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

# New Science Laboratory Hub Inaugurated in Saradadhamam School, Hyderabad

A new science laboratory hub, with Physics, Chemistry and Biology sections was inaugurated at the Saradadhamam School in Hyderabad on 05th October 2019. The laboratory is equipped with all required facilities.

The inauguration of this laboratory was done by Sri G. Kishan Reddy, Minister of State for Home Affairs, Govt. of India. Retd. IAS officer and Prant Adhyaksh Dr. Ch. Uma Maheshwar Rao and Sri Lingam Sudhakar Reddy were also present and addressed the gathering.

# One Day Kshetriye Workshop in Hyderabad

A one-day Workshop of Vidya Bharathi Dakshina Madhya Kshetra was held in Hyderabad on 13th October 2019. It was organised for Kshetra Vishaya Pramukhs and Prant Mantri, Sangathana Mantri of Telangana, Andhra Pradesh and Karnataka. All Kshetra officials also participated. Total participants were 28. Sri J. M. Kashipathi , All India Sangathana Mantri guided the participants. Dr. Chamarthy Uma Maheshwar Rao IAS (Retd.) presided at the workshop.

After individual introduction, Sri Kashipathi ji conducted an interactive session on the aims and objectives of Vidya Bharti, work nature, need of different areas and its work progress. All the Kshetriye Vishaya Pramukhs have given their report on the structure at different states, syllabus, work position and future plans and so on.

After lunch the participants were divided into 5 groups. Discussions were taken in groups, subject wise, in detail in the guidance of Kshetriye padadhikari's. In the last session, group wise reports were presented before all. In conclusion, all the participants were given, a clarity on how to get the All India level decisions reach the roots at the school level. Sri Kashipathi ji added that in the process, we have to choose the right persons from the old students, former Acharyas and other members of the society. Dakshin Madhya Kshetra Organising Secretary, Sri Lingam Sudhakar Reddy and Secretary Lakshman Rao Ayachithula participated in the workshop.

Prachar Vibhag
Telangana & Hyderabad

# एकल विद्यालय संचालन समिति कार्यकर्ता बैठक

विद्या भारती की राजस्थान क्षेत्र के एकल विद्यालय संचालन समिति के कार्यकर्ताओं का एक दिवसीय सम्मेलन दिनांक 15 सितम्बर 2019 को आदर्श विद्या मंदिर, अनुपगढ़, श्रीगंगानगर में सम्पन्न हुआ। जिले के भारत पाक सीमा से सटे गाँव में विद्या भारती के एकल विद्यालयों द्वारा भैया-बहिनों को देशभक्ति व श्रेष्ठ आचरण के लिए संस्कार देने हेतु एकल विद्यालय संचालित हैं।

कार्यक्रम में जोधपुर प्रांत के सचिव श्री महेन्द्र कुमार दवे ने अपने संबोधन में कहा कि एकल विद्यालयों के माध्यम से समाज में परिवर्तन हुआ है। इसके लिए आप सभी के द्वारा नियमित सत्संग, ग्राम उत्सव, वृक्षारोपण, धर्मांतरण पर रोक, गाँव को प्लास्टिक मुक्त करना, समाज परिवर्तन में मातृशक्ति की भूमिका आदि की महती भूमिका रही है।

विद्याभारती संकुल संवाद
Date of publishing : 20 October, 2019
Total No. of Pages : 8

RNI No. : DELBIL/2005/15122
D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21
Date of Posting -24-25 October, 2019

## VIDYA BHARATI ALUMNI SELECTED AS CIVIL JUDGE

Vidya Bharati Purv Chatra Parishad congratulates Richa Bhatt, on being selected as a civil judge. Bhatt is an alumni of Saraswati Shishu Mandir, Pichhore in Shivpuri district of Madhya Pradesh

## VIDYA BHARATI ALUMNI SELECTED IN INDIAN TEAM

Vidya Bharati alumni, Sh. Manju Bamboriya has been selected in Indian Women's Boxing Team for Women's World Boxing Championship that will be held in Russia in the October, 2019. She is an alumni of Saraswati Shishu Mandir, Khachrod in Madhya Pradesh.

# छात्रों में वैज्ञानिक प्रतिभा जागृत करना आवश्यक - किशोर जी मोहंती

'आज का छात्र कल का वैज्ञानिक हो सकता है, इसलिए छात्रों की वैज्ञानिक प्रतिभा जागृत करना आवश्यक है।' यह कथन विद्या भारती विदर्भ द्वारा आयोजित प्रांतीय गणित विज्ञान मेले में विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री श्री किशोर जी मोहंती ने समापन कार्यक्रम में कहा। इस प्रांतीय गणित मेले का आयोजन भारत विद्यालय, हिंगणघाट जिला वर्धा में दिनांक 20 से 21 सितंबर 2019 को हुआ। विदर्भ में विद्या भारती का कार्य प्रारंभ होने के पश्चात् गणित विज्ञान मेले का आयोजन पहली बार हुआ।

गणित विज्ञान मेले का उद्घाटन दिनांक 20 सितम्बर 2019 को श्री किशोरचंद्र मोहंती के हाथों दीप प्रज्ज्वलन कर हुआ।

इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विद्या भारती पश्चिम क्षेत्र के अध्यक्ष श्री लक्ष्मीकांत पांडे ने कहा कि हम वर्तमान काल में न रहते हुए भूतकाल में या भविष्यकाल में जीते हैं। फल का नींचे गिरना क्या केवल न्यूटन ने ही देखा था? यह क्यों घटा, इसका विचार वर्तमान में करना पड़ता है। यशस्वी होने के लिए 20% ज्ञान, 40% उसका उपयोग करने की क्षमता और 40% सकारात्मक व्यवहार रहना आवश्यक है। गणित विज्ञान मेले में 21 विद्यालय के 60 छात्र सम्मिलित हुए। इसमें गणित के 20 तथा विज्ञान के 32 मॉडल शामिल किए गए। मेले में चंद्रयान-2 की कल्पना कर एक सेल्फी पॉइण्ट बनाया था जो सभी के आकर्षण का केन्द्र रहा।

प्रांत वैदिक गणित प्रमुख सौ. शेफाली जोशी ने वैदिक गणित का परिचय सभी छात्रों को कराया। स्थानीय 12 विद्यालयों के 103 आचार्य एवं 2107 छात्रों ने इस मेले का अवलोकन किया।

**आप सभी को विद्या भारती परिवार की ओर से दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाई-दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ।**

सेवा में

**प्रकाशक एवं मुद्रक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, महामंत्री, विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग, नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065, के लिए हिन्दुस्तान ऑफसेट प्रेस, ए-26, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली-110028 से मुद्रित एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित। **संपादक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, फोन : 011-29840013